अध्याय - 4 | प्राणी जगत

QUIZ PART-03

1. **टीनोफोरा जन्तुओं को किस नाम से भी जाना जाता है?**
   A. समुद्री अखरोट
   B. जल काई
   C. समुद्री शैवाल
   D. परजीवी कृमि (A)

व्याख्या : टीनोफोरा जन्तुओं को कॉम्ब जैली या समुद्री अखरोट कहा जाता है, क्योंकि इनका शरीर पारदर्शी और जेली जैसा होता है।

2. **टीनोफोरा की मुख्य विशेषता क्या है?**
   A. पुनरुत्पादन क्षमता
   B. जीव दीप्ति
   C. परजीवी जीवन
   D. परागण (B)

व्याख्या : टीनोफोरा की सबसे प्रमुख विशेषता जीव दीप्ति है, जिसमें ये अपने शरीर से प्रकाश उत्पन्न करते हैं।

3. **टीनोफोरा के शरीर की बाहरी सतह पर क्या पाया जाता है?**
   A. बालकणिकाएँ
   B. आठ कंघी जैसी प्लेटें
   C. रंध्र
   D. पंख जैसी संरचनाएँ (B)

व्याख्या : टीनोफोरा के शरीर की सतह पर आठ कंघी जैसी प्लेटें होती हैं जो गमन में सहायक होती हैं।

4. **प्लेटीहैल्मिंथीज का शरीर कैसा होता है?**
   A. गोलाकार
   B. पृष्ठाधर दिशा में चपटा
   C. त्रिकोणीय
   D. बेलनाकार (B)

व्याख्या : प्लेटीहैल्मिंथीज का शरीर पृष्ठाधर तल पर चपटा होता है, इसलिए इन्हें चपटे कृमि कहा जाता है।

5. **प्लेटीहैल्मिंथीज में ज्वाला कोशिकाएँ किस कार्य में सहायक होती हैं?**
   A. भोजन ग्रहण में
   B. परासरण नियंत्रण एवं उत्सर्जन में
   C. रक्त संचार में
   D. श्वसन में (B)

व्याख्या : ज्वाला कोशिकाएँ प्लेटीहैल्मिंथीज में परासरण नियंत्रण और उत्सर्जन क्रिया में सहायक होती हैं।

6. **टीनेया (फीताकृमि) और फैशियोला (पत्ताकृमि) किस संघ के सदस्य हैं?**
   A. ऐनेलिडा B. प्लेटीहैल्मिंथीज
   C. ऐस्केलमिंथीज D. आर्थ्रोपोडा (B)

व्याख्या : टीनेया और फैशियोला प्लेटीहैल्मिंथीज संघ के सदस्य हैं और मनुष्यों में परजीवी के रूप में पाए जाते हैं।

7. **ऐस्केलमिंथीज के शरीर की विशेषता क्या है?**
   A. चपटा और त्रिकोरकी
   B. बेलनाकार, द्विपार्श्व सममित और कूट-प्रगुही
   C. बिना कोशिका भित्ति
   D. त्रिस्तरीय परंतु अप्रगुही (B)

व्याख्या : ऐस्केलमिंथीज के शरीर बेलनाकार, द्विपार्श्व सममित और कूट-प्रगुही होते हैं।

8. **ऐस्केलमिंथीज में लिंग व्यवस्था कैसी होती है?**
   A. उभयलिंगी
   B. एकलिंगी
   C. निरलिंगी
   D. कोशिकीय रूप से लिंगहीन (B)

व्याख्या : ऐस्केलमिंथीज में नर और मादा प्राणी अलग-अलग होते हैं, इसलिए वे एकलिंगी कहलाते हैं।

9. **वुचेरेरिया (Wuchereria) किस रोग का कारण है?**
   A. फाइलेरिया (हाथीपाँव)
   B. मलेरिया
   C. हैजा
   D. टाइफाइड (A)

व्याख्या : वुचेरेरिया कृमि फाइलेरिया रोग उत्पन्न करता है, जिसमें शरीर के अंगों में सूजन आ जाती है।

10. **ऐस्केलमिंथीज के उदाहरण कौन-कौन से हैं?**
    A. एस्कैरिस, वुचेरेरिया, एन्कायलोस्टोमा
    B. प्लैनेरिया, टीनेया, फैशियोला
    C. ऑबेलिया, हाइड्रा, मेडूसा
    D. फनारिया, स्फैगनम, मार्चेंशिया (A)

व्याख्या : ऐस्केलमिंथीज के प्रमुख उदाहरण हैं — एस्कैरिस (गोलकृमि), वुचेरेरिया (फाइलेरिया कृमि), और एन्कायलोस्टोमा (अंकुश कृमि)।